UN – 043

III Semester B.Com. Examination, Nov./Dec. 2015
(2014-15 Only) (Repeaters)
Language – III : HINDI
Natak, Nibandh, Sankshiptikaran

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए : (10×1=10)

1) अपने आसन्न मृत्यु से कौन-सी जीवात्मा परिचित था ?

2) किसने अपने भाइयों को स्वर्ग के बदले नरक में देखा ?

3) यमराज के दरबार में भौंकनेवाले कुत्तों का नाम क्या है ?

4) किसने शिक्षा क्षेत्र को अपवित्र किया था ?

5) इक्ष्वाकु कौन-सा रस पीकर बड़ा हुआ ?

6) कौन सदैव निर्दयी होते हैं ?

7) जीवात्मा-6 का नाम क्या है ?

8) यवनराज को पंचनद तक किसने खदेड़ दिया था ?

9) किस जीवात्मा को स्वर्ग का लोभ नहीं है ?

10) 'वैतरणी के पार' नाटक के नाटककार का नाम लिखिए ।

SRI BHAGAWAN MAHAVEER JAIN COLLEGE KGF - 563 122

II. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

1) ये कुत्ते फिर भौंकने लगे । इस बार प्रेम से भौंक रहे हैं । अब कौन-सा जीवात्मा आया है ?

2) आत्महत्या ! नहीं महाराज, यह आत्महत्या नहीं है । यह तो पवित्र कार्य है । मैंने पतिव्रता का धर्म निभाया है ।

3) क्यों महाराज ? मेरी विद्वत्ता मेरी अपनी है । अपनी सम्पत्ति है । उसे देना अथवा न देना मेरी इच्छा पर है ।

4) धर्म की आड़ में, कर्म की धमकी से, देवी-देवताओं के नाम पर आज भी शोषण हो रहा है ।

5) जब प्राकृतिक क्षमता को धिक्कारकर जनसंख्या बढ़ जाती है, तब प्राकृतिक विकोप जन्म लेता है और जनसंख्या को संतुलित करता है ।

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×16=32)**

1) 'वैतरणी के पार' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) चित्रगुप्त का चरित्र-चित्रण 'वैतरणी के पार' नाटक के आधार पर कीजिए।

3) 'वैतरणी के पार' नाटक में जीवात्माओं और यमराज के बीच हुए वार्तालाप को अपने शब्दों में लिखिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7=14)**

1) जीवात्मा-3

2) श्रीपति

3) इक्ष्वाकु ।

V. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **(1×10=10)**

1) सहकारिता।

2) विज्ञापन और महिला।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए। **(1×10=10)**

भारत एक कृषि प्रधान देश है। लगभग 80 प्रतिशत जनता गावों में बसी हुई है। शताब्दियों से ये गाँव गरीबी, अज्ञान एवं अंधविश्वास को बढ़ानेवाले केन्द्र रहे हैं। यही कारण है कि गाँववाले भाग्यवादी और निराशावादी बनकर जीवन-चापन करते हैं। राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि तब तक संभव नहीं जब तक इन गाँववालों की स्थिति में सुधार न हो। इसलिए सरकार ने समुदाय-विकास-योजना अपनायी है। यह आशा की जाती है कि इस समुदाय विकास-योजना का, गाँववाले लाभ उठाएँगे और अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार लायेंगे।

BHAGAWAN MAHAVEER JAIN COLLEGE
KGF - 563 122